Title: Requests the Central Government to allocate funds for the completion of Agra Chambal Dal Project in Uttar Pradesh.

श्री प्रभुदयाल कठेरिया : मैं आपके माध्यम से सरकार और सदन का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र फिरोजाबाद की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। भारत सरकार के कहने पर और सर्वे करने के बाद आगरा चम्बल डाल परियोजना १९८७ में प्रारंभ हुई थी। उस समय उसकी लागत ५० करोड़ रुपये थी। आज १९९८ चल रहा है जो कि खत्म होने के कगार पर है। आज उस परियोजना की लागत १०० करोड़ से ऊपर चली गयी है। मैं भारत सरकार से कहना चाहूंगा कि २२ करोड़ ६० लाख रुपये नाबाद बैंक ने दिये थे, वे भी पूरे खर्च हो चुके हैं। अब उस परियोजना को पूरा करने में धन नहीं मिल रहा है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करूंगा कि वहां पैसे की व्यवस्था शीघ्र कराई जाये जिससे वह अधूरी योजना पूरी हो सके। वहां करोड़ों बीघा जमीन असिंचित पड़ी हुई है। किसानों को पानी की बहुत कमी है। इसलिए जमीन की सिंचाई के लिए यह परियोजना किसान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

... (व्यवधान)

मेरा आग्रह है कि भारत सरकार पूरे धन की शीघ्र व्यवस्था कराये जिससे वह योजना पूरी हो सके।

... (व्यवधान)

आप हमें बात

पूरी नहीं करने दे रहे हैं।

... (व्यवधान)

मैंने अभी अपनी बात पूरी भी नहीं की कि आपने दूसरे को कॉल कर दी है। आप हमें बात तो पूरी कर लेने दीजिए।

सभापति महोदय : आपका कारखाने का मामला है। वह ठीक है। आप बैठ जाइये।

... (व्यवधान)

श्री प्रभुदयाल कठेरिया : सभापति जी, वह कारखाना नहीं है। आप मेरी बात समझे नहीं हैं। वह चम्बल डाल परियोजना है। उसमें लगे मजदूर भूखों मर रहे हैं। भारत सरकार इस पर गंभीरता पूर्वक विचार करके धन की शीघ्र ही व्यवस्था कराये।

... (व्यवधान)